लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन

सिवनी, देशबन्धु। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ईवीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ की कल्पना को मूर्त दिया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन में चुनाव पेपर लेस बूथ के माध्यम से सफलतापूर्वक कराये जा चुके हैं। मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने यह बात राज निर्वाचन आयोग की 31वीं नेशनल कांफ्रेंस में कही। कांफ्रेंस पेंच जिला सिवनी में आयोजित की गई है ।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोगो द्वारा कराये जाने वाले पंचायत एंव नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला और परिक्षण स्थली हैं। पूरी दुनिया और साथ ही भारत का यह अनुभव है कि जब भी निर्वाचन संबधी कोई महत्वपूर्ण प्रयोग होते हैं तो सबसे पहले स्थानीय निर्वाचनों में होते हैं। जब महिलाओं को प्रतिनिधि सस्थाओं में आरक्षण का विचार आया तो सबसे पहले पंचायतों और स्थानीय निकायों में इसे लागू किया गया । मध्यप्रदेश में तो निकायों में पहले 33 प्रतिशत और बाद में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्तों की नेशनल कांफ्रेंस आयोजित

इसकी जितनी स्वीकार्यता पिछडे कहे जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में हुई उतनी वरिष्ठ स्तरों पर अभी भी नही हो पाई।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की नींव हैं। यह चुनाव पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस चुनाव के माध्यम से नागरिक सीधे शासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं। उन्होंने ऑनलाइन वोटिंग पर चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रयोग पहली बार एस्टोनिया में किया जा चुका है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के मद्देनजर यह जरूरी है कि हम चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रक्रिया में बदलाव करते रहें।

ईवीएम शेयरिंग - श्री श्रीवास्तव ने कहा कि चुनावी खर्च कम करने के उद्देश्य से राज्यों के बीच इवीएम शेयरिंग होना चाहिए। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता असम के राज्य निर्वाचन आयुक्त आलोक कुमार ने की। इस दौरान विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोग के नवाचारों को समाहित कर लिखी गई पुस्तक एक्स-चेंज एक्स-पीरियंस इनीशिएटिव -2025 का विमोचन किया गया। विभिन्न राज निर्वाचन आयोग के आयुक्तों ने निर्वाचन प्रक्रिया में सुधार के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। लखनादौन एसडीएम रवि सिहाग तथा सहायक कलेक्टर पंकज वर्मा द्वारा ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस और सुविधाजनक निर्वाचन प्रक्रिया के लिए नवीन तकनीकों को अपनाने के संबंध में प्रजेंटेशन दिया। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग त्रिपुरा द्वारा राज्य में स्थानीय निर्वाचन प्रक्रिया पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कलेक्टर सिवनी संस्कृति जैन ने प्रथम सत्र के समापन पर आभार व्यक्त किया।

चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न

दादाराव बोबडे न्यास संरक्षक, गोपाल शर्मा बने अध्यक्ष

सौसर, देशबन्धु। शनिवार को लाखों करोडों श्रद्धालूओं के आस्था का केन्द्र चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर संस्थान (हनुमान लोक) जामसांवली कि प्रबंध कार्यकारिणी का निर्वाचन प्रशासक न्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिद्धार्थ पटेल की प्रमुख उपस्थिति में निर्विरोध सम्पन्न हुआ। निर्वाचन प्रकिया में कुल 11 सदस्यीय प्रबंध्ण कार्यकारिणी के नामांकन प्रस्तुत किये गये। जिसमें मंदिर न्यास के प्रथम संरक्षक के रूप में वरिष्ठ न्यासी दादाराव बोबडे को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। श्री बोबडे संरक्षक न्यास के प्रमुख मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन करेगे।

इसके अलावा प्रबंध कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष गोपाल शर्मा, उपाध्यक्ष संतोष डवरे, सचिव टीकाराम कारोकार, सहसचिव एड. एम. एन. खंडाईत, कोषाध्यक्ष संजय डवरे, सहकोषाध्यक्ष मनोहर शेलकी तथा कार्यकारिणी सदस्यों में नितीन मोहगांवकर, पांडुरंग बोबडे, संदीप मोहोड, शिशिर खंडार, एड. अजय धवले का चयन किया गया। निर्वाचन प्रकिया में पदाधिकारियों सहित मंदिर कमेटी के महादेव मते, पंजाबराव येलमुले, वसंत शेलकी, प्रदीप बुटे, श्रीराम डवरे, रामराव डवरे, वसंता येलमुले, भास्कर गुढदे, भीमराव वाकोडे, राजु बाविसटाले, मनोज तवले, भगवंता कारोकार, निलेश जुननकर, दिलीप बतरा, किशोर एकनाथ देवपुजारी, मोहन ताजने, सुशील माहेश्वरी ने सहभाग लिया।

गौरतलब हो कि, चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर संस्थान के पूर्व न्यास को उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश से भंग करते हुये कलेक्टर पांढुर्णा को आगामी कार्यवाही हेतू आदेशित किया गया था। जिसके परिपालन में कलेक्टर न्यायालय एवं पंजीयक लोक न्यास पांढुर्णा द्वारा चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर हनुमान लोक का पंजीयन कर अग्रिम कार्यवाही हेतू न्यास को अधिकृत किया गया था।

इनका कहना है -

न्यास के मार्गदर्शन में पहली बार इस पद का सृजन किया गया है, मुझ पर मार्गदर्शक की भूमिका सौपी गई है, नई प्रबंध कार्यकारिणी तथा न्यास को निरंतर मार्गदर्शन देकर बेहतर व्यवस्था बनाने का प्रयास करेगे।

दादाराव बोबडे, संरक्षक

सभी न्यासियों द्वारा मुझ पर विश्वास व्यक्त करते हुये जो जिम्मेदारी सौपी है उसकी कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। साथही श्रद्धालूओं को बेहतर व्यवस्था के साथ-साथ मंदिर के विकास एवं व्यवस्थापन को प्राथमिकता दी जायेगी।

गोपाल शर्मा, अध्यक्ष

न्यास की उपविधियों में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार न्यास एवं मंदिर प्रशासन की दैनदिनी गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतू प्रबंधन कार्यकारीणी कार्य करेगी। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई।

सिद्धार्थ पटप्रशासक न्यास, एवं एसडीएम श्री हनुमान

सार-समाचार

साक्षी खंडाईत ने पीजीडीसीए परीक्षा में पाण्डुर्णा जिले में किया प्रथम स्थान प्राप्त

सौसर, देशबन्धु। नगर की कुमारी साक्षी खंडाईत ने गत दिनों पीजीडीसीए परीक्षा के परिणाम मे पांढुर्ना जिले से प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। साक्षी ने पीजीडीसीए का कोर्स नगर के सॉफ्टेक इंस्टिट्यूट से किया। साक्षी की इस उपलब्धि पर अखिल भारतीय सूर्यवंशी लोणारे कुनबी समाज संघटन मध्य प्रदेश, श्री सती अनुसया माता जन्मोत्सव समिति, श्री सती अनुसया माता युवा ब्रिगेड ने शुभकामनायें एवं बधाई दी गयी ।

31 वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस में सहभागिता करने पहुचे राज्य निर्वाचन आयुक्तों का हुआ आत्मीय स्वागत

सिवनी, देशबन्धु । सिवनी जिले के पेंच राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित की जा रही राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस में सहभागिता करने पहुँचे विभिन्न राज्यों के आयुक्तों एवं अधिकारियों का मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही जिलें के पेंच टाइगर रिजर्व की प्रचार- प्रसार एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई किट आगन्तुकों को भेंट की गई।

शेषराव गावंडे का साल, श्रीफल भेंटकर किया स्वागत

सौसर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ शाखा पांढुरना की ओर से दिन शुक्रवार को सेवा निवृत हुए मिलनसार स्वभाव के धनी, सामाजिक, धार्मीक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने वाले हमारे भाई शेषराव गावंडे पीएचई विभाग सौसर को साल श्रीफल भेंटकर और फूल माला से स्वागत कर शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य कामना की जिसमें उपस्थित लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला पांढुरना अध्यक्ष धर्मेंद्र वाघमारे उपाध्यक्ष राजू खडाईत सौसर अध्यक्ष संजय कडू संभागीय सचिव अनेश भारती कोटवार संघ के अध्यक्ष अजय गजभिय रामचंद्र को डेकर तहसील अध्यक्ष पांढुरना प्रवीण ढोकने लघु वेतन कर्मचारी संघ के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे ।

चाहत पांडेय का आगमन आज

जबेरा, देशबन्धु। सिने स्टार चाहत पांडेय का मुंबई से जबेरा विधानसभा में आगमन आज सोमवार 3 मार्च को हो रहा है। जहां

उनका जबलपुर से लेकर जबेरा विधानसभा के अनेंक ग्रामों में स्वागत किया जाएगा। दमोह जिले और जबेरा जनपद के एक छोटे से ग्राम चंडी चौपरा निवासी चाहत पांडेय आज सिनेमा का एक चर्चित नाम बन चुकी है। चाहत ने सन 2015 में दूरदर्शन चैनल से अपने करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद कई चैनलों के सीरियल में लीड रोल किया एवं दंगल चैनल पर प्रसारित होने वाले सीरियल नथए जीवन और जंजीर के 1000 एपिसोड होते ही इनका चयन बिग बॉस रियलिटी शो 18 में हुआ। जिसमें लगातार 95 दिनों तक बिग बॉस में बनी रही। उनके करीबी निस्वार्थ सामाजिक संगठन प्रमुख सचिन मोदी ने बताया कि बिग बॉस कॉन्टेस्ट समापन के बाद उनका आगमन मध्य प्रदेश में हो रहा है। जहां वह जबलपुर एयरपोर्ट से युवराज होटल पहुंचेंगी जहां पर होटल संचालक सुमित जायसवाल मित्र मंडली द्वारा स्वागत का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद कटंगी में प्रकाश बस सर्विस ऑनर दीपू जैन मित्र मंडली द्वारा बाजार नाका पर स्वागत किया जाएगा। उसके पश्चात दमोह जिले की सीमा में प्रवेश करते ही गुबरा में मनदीप यादवए राजेश यादव द्वारा मझौली तिराहा पर स्वागत आयोजन रखा गया है। उसके बाद सिंग्रामपुर पौड़ी तिराहा पर दिनेश राय मित्र मंडली एवं जबेरा बस स्टैंड पर शर्मा मेडिकल स्टोर मित्र मंडली द्वारा स्वागत कार्यक्रम रखा गया है ।

भावना कहार का निधन

गोटेगांव, देशबन्धु । विगत दिवस शास्त्री वार्ड मुरलीधर मंदिर के आगे निवास करने वाले संतोष कहार की बेटी कुमारी भावना कहार का अस्वस्थता के चलते लगभग 22 वर्ष की आयु में निधन हो गया।भावना कहार पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहीं थीं। भावना कहार की अंतिम यात्रा उनके निज निवास किसानी मोहल्ला से स्थानीय मुक्तिधाम ले जाई गई जहां पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।अंतिम यात्रा में सभी वर्गों के लोगों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को अपना दो मिनिट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पीढ़ियों से संजोए रखे दिगंबर अखाड़े को अब शासन से सहयोग की अपेक्षा

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। पारंपरिक अखाड़ों में दिए गए अभ्यास प्राचीन संस्कृति और अनुशासन से पूर्ण होते हैं। सनातन धर्म में अखाड़े का विशेष महत्व होता है, अखाड़े को सनातन धर्म की विरासत माना जाता है। इसी तारतम्य में दिगंबर अखाड़ा, तेंदूखेड़ा सहित क्षेत्र में अपनी अद्भुत कला-कौशल के लिए प्रसिद्ध है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में दिगम्बर अखाड़ा पिछले कई सालों से कुश्ती और शस्त्र-कला को जीवित रखे हुए हैं। अखाड़े में सबसे अधिक युवा पहलवानों से लेकर बच्चे भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं परन्तु आवश्यक सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पाने से यह सिर्फ औपचारिकता साबित हो रही है।

अखाड़े के संचालक अपने स्तर पर ही इन्हें चला रहे हैं जिससे यहां पहलवानी अभी भी जिंदा है। संसाधन की उचित व्यवस्था न होने के कारण अखाड़ों में पहलवानों की संख्या में कमी आती जा रही है। आधुनिकता के दौर में अखाड़ों की जगह जिम ने ले ली है। लोग अब अखाड़ों में पहलवानी और कुश?ती को अधिक महत्व न देकर जिम में जाकर घंटों पसीना बहाते हैं। यह कारण भी है कि देशभर में अखाड़ों के अस्तित?व पर संकट गहराने लगे हैं। इन तमाम संकटों से निपटने के

लिए अखाड़े में पर्याप्त संसाधन हो तो अखाड़े सशक्त एवं मजबूत होंगे जिससे कि युवा इस ओर आकर्षित हो सकेंगे। दिगम्बर अखाड़े के पहलवानों ने बताया कि मिट्टी के अखाड़े में कुश्ती, दंगल या मल्लयुद्ध चाहे जिस नाम से पुकार लें यह प्रमुख खेल भारत की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। शहरों से लुप्त होती इस कला को दिगंबर अखाड़ा जीवंत रखे हुए है। इसमें अनेक बच्चे और नौजवान अपने पुष्ट शरीर का निर्माण कर सके इस हेतु शासन से मांग कर रहे है कि दिगंबर अखाड़े को एक निश्चित जगह आवंटित कर उपयोग में आने वाले शस्त्र आदि समाग्री की पर्याप्त व्यवस्था प्राप्त हो सके इस हेतु शासन से सहयोग की अपेक्षा है, इससे आने वाली पीढ़ियां भी इन कला-कौशल से परिचित हो सके।

दिगम्बर अखाड़ा उस्ताद मोहन ठाकुर का कहना है कि यह दिगंबर अखाड़े को हम पीढ़ियों से संभाल कर रखे हैं, दिगंबर अखाड़े को आगामी पीढ़ियों तक पहुंचाने हेतु सरकार से सहयोग की अपेक्षा है। अखाड़े को संचालित करने हेतु आय का कोई साधन भी नहीं है। वर्तमान में यह अखाड़ा वर्ष में एक बार महाशिवरात्रि उत्सव समिति द्वारा आयोजित होने वाले भगवान शिव की बारात में नगर में प्रदर्शन करता है।

शस्त्र चलाने का दे सकेंगे प्रशिक्षण- प्रशिक्षु लाठी, बनेटी, तलवार, चकरी चलाने का अभ्यास भी सकेंगे। प्रतिदिन बड़ों के साथ-साथ बच्चे भी अखाड़े में व्यायाम करने के लिए पहुंचे सकेंगे।

खेल विभाग से सीधे तौर से नहीं जुड़ पा रहे अखाड़े- अखाड़े के संचालक अपने स्तर पर ही इन्हें संचालित कर रहे हैं जिससे अखाड़े सीधे तौर पर विभाग से जुड़े नहीं होते। सरकार इन क्षेत्रिय अखाड़ों को विभाग से जोड़ने हेतु मुहीम चलाए जिससे की इस प्रकार के क्षेत्रीय अखाड़ो का रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस तैयार हो सके और शासन की योजनाएं, सुविधाओं का आसानी से लाभ मिल सके। अखाड़े को सनातन धर्म की विरासत माना जाता है।

शंकर भगवान का 200 साल पुराना मंदिर शिवरात्रि में भी रहा बंद

ग्राम नगपुरा का मामला

लालबर्रा, देशबन्धु। तहसील मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नगपुरा में 200 साल पुराना भगवान शिवजी का मंदिर जो हमेशा ही बंद रहता है वह महाशिवरात्रि पर्व के दिन भी बंद रह गया, जिससे ग्रामीण जनों में काफी आक्रोश देखने में आया उन्होंने इसकी शिकायत मीडिया कर्मियों से भी की लेकिन समय के अभाव में मीडिया कर्मी मौका स्थल पर नहीं पहुंच सके और मंदिर बंद ही रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव का ही एक रसूखदार व्यक्ति अपना कब्जा बताते हुए मंदिर के अंदर गोबर के कंडे, तुवल के खराटे, बोरी में गेहूं का गवहांडा कुटार और लकड़ी भर कर रख रहा है और ग्रामीण जनों को मंदिर में प्रवेश करने से रोकता है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

इनका कहना है-

शिवजी का मंदिर पुरातत्व विभाग का है, इसमें किसी व्यक्ति द्वारा अपना आधिपत्य जमाया जाना गलत है ग्रामीण जनों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हुए उक्त व्यक्ति द्वारा मंदिर के कपाट नहीं खोले गए जो बहुत ही ज्यादा निंदा का विषय है।

हरिशंकर बनवारी, जनपद सदस्य

गांव की पुरानी धरोहर है और सभी ग्रामीणों की उस मंदिर से आस्था जुड़ी हुई है उसके बाद भी मंदिर का नहीं खुलना भक्त जनों को पीड़ा पहुंचाने वाला विषय है, इस संबंध में सबकी राय लेकर मंदिर खुलवाने का सामूहिक प्रयास किया जाएगा।

सतानंद दमाहे , पूर्व सरपंच

मंदिर की भूमि शासन की है किसी का निजी स्वामित्व नहीं है। लोगों की आस्था को देखते हुए शिवरात्रि पर्व के दिन हमारे द्वारा मंदिर खुलवाया गया था और कोई भी ग्रामीण जन उस मंदिर से जिनकी आस्था है कभी भी आकर पूजा पाठ कर सकते हैं। इसमें किसी प्रकार की कोई रोक-टोक नहीं है। रात्रि के समय आवारा पशु मंदिर के अंदर प्रवेश कर किसी प्रकार की गंदगी ना फैलाएं इसलिए बंद कर दिया जाता है।

अभिषेक अवधिया , सचि

13 वां महिला जागृति सम्मेलन का आयोजन नौ मार्च को

चौरई, देशबन्धु। छिंदवाड़ा में मेहरा डेहरिया समाज द्वारा विगत 12 वर्षो से लगातार आयोजित किया जाने वाला महिला जाग्रती सम्मेलन इस वर्ष 9 मार्च को सामाजिक भवन कुशमेली मंडी रोड छिंदवाड़ा में आयोजित किया जायेगा जिला अध्यक्ष लोकेश डेहरिया के निर्देश पर चौरई में सामाजिक महिलाओं द्वारा बैठक का आयोजन किया गया अंतरास्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यह आयोजन किया जाता है डेहरिया समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष सिताबिलाल डेहरिया की प्रेरणा से सामाजिक महिलाओं की आर्थिक एंव राजनेतिक सशक्तिकरण एंव उनके उत्थान एंव सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका की दृष्टि से यह आयोजन किया जाता है जिसमें विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त सामाजिक महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ एंव मणिपुर की पूर्व राज्यपाल माननीया अनुसूइया उईके मुख्य अतिथि की रूप में उपस्थित रहेंगी जबकि विशेष अतिथि के रूप में शालनी विवेक बंटी साहू उपस्थित रहेंगी । विशिष्ठ अथिति के रूप में नगर निगम की सहायक आयुक्त मीना कोरी पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्योति डेहरिया रहेंगी ।

चौरई महात्मा गांधी पब्लिक स्कूल में बैठक छिंदवाड़ा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष उमा डेहरिया सचिव रैना हारले प्रवक्ता रानू डेहरिया की उपस्थित में की गई जिसमें राधा डेहरिया, संगीता डेहरिया, चित्र रेखा डेहरिया, माया डेहरिया, फुलवा डेहरिया,पलक डेहरिया, शशी डेहरिया, सुदामा डेहरिया पुरूष वर्ग के मेहरा डेहरिया समाज के जिला सचिव दिनेश डेहरिया जिला उपाध्यक्ष संजय डेहरिया, ललित डेहरिया,सुरेश डेहरिया उपस्थित रहे ।

यज्ञ शाला पूजन और श्रीमद्भागवत कथा को लेकर बैठक संपन्न

कुम्हारी, देशबन्धु। बबलीगढ़ धाम मोहास मंदिर में होने वाली श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन की बैठक रखी गई जिसमें सभी क्षेत्रवासियों की उपस्थित रही, जिसमें कूडा वाले महराज पं. अनिल शास्त्री का आगमन हो हुआ दिन रविवार को आगामी 27 अप्रेल से भगवत कथा यज्ञ शाला पूजन इस सम्बन्ध मे रूपरेखा तय की गई सभी परम पूज्य दद्दा शिष्य मंडल उपस्थित रहा सभी ने कार्यक्रम की बिन्दुओ पर फोकस किया इस दौरान क्षेत्रीय नागरिक पंडित नर्मदा प्रसाद दुबे, देवी सीग लोधी,भीकम यादव,बेनी सीग, डरे पटेल, नरेंद्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, भरत पटेल प्रतिनिधि,मुलामराय, रमल विश्कर्मा, सूरत यादव आदि ।

समृध्दि योजनांतर्गत स्वैच्छिक संगठनों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

छपारा/सिवनी, देशबन्धु। म.प्र. जन अभियान परिषद (योजना,आर्थिक एवं सांख्यिक विभाग म.प्र.शासन) जिला सिवनी के द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सह सम्मेमलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिसोदिया (जिला संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) विशिष्ट अतिथि सुजीत जैन (पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, सिवनी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष जन अभियान समिति) एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सौरभ शुक्ला, जिला समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद की प्रमुख उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेन्द्र सिसोदिया द्वारा आपके उदबोधन में समग्र ग्राम विकास की संपूर्ण अवधारणा पर उपस्थित प्रतिभागियों से कहा कि आप सभी लोग शासन के एक बेहद महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ है, जिसे जन अभियान परिषद लीड कर रहा है। आप सभी लोग इस नेटवर्क का लाभ लेते हुये परिषद के मार्गदर्शन में अपनी संस्था को उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर लेकर जाए साथ ही अपने जिले एवं गांव का नाम रोशन करें. वही विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुये परिषद के उपाध्यक्ष सुजीत जैन ने उपस्थित प्रतिभागियों से शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को दिलाने का आव्हान किया।

इसके पूर्व जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला ने आज के प्रशिक्षण कार्यशाला की संक्षिप्त प्रस्तावना में कहा कि परिषद द्वारा समय-समय पर आप सभी स्वैच्छिक संस्थाओं की क्षमता वृध्दि हेतु ऐसे प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है। निश्चित ही इसका लाभ भी आपके द्वारा लिया जा रहा है, परंतु परिषद को आपसे अपेक्षांए भी है। आदर्श ग्राम की परिकल्पना को साकार करने में संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है. हम उम्मीद करते है कि आप सभी हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

सत्र दर सत्र चले इस प्रशिक्षण वर्ग में प्रथम सत्र के विषय म.प्र. जन अभियान परिषद का परिचय एवं विभागीय संरचना तथा योजनाओं के बारे में विकासखंड समन्वयक जअप धनोरा श्याम उईके, द्वीतीय सत्र के विषय स्वैच्छिक संगठनों की संरचना एवं प्रबंधन विषय पर परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमति मधुबाला चौरसिया एवं मोनिका चौरसिया द्वारा लिया गया। तृतीय विषय के रूप में स्वैच्छिक संगठनों के महत्वपूर्ण अधिनियम एवं पंजीयन तथा कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटि के लिये संयुक्त रूप से अनिल चौरे एवं सुश्री अफसा अंजुम, विकासखंड समन्वयक जअप, आदर्श ग्राम की परिकल्पना विषय पर प्रदीप तिवारी (विभाग प्रमुख ग्राम स्वावलंबन सिवनी) सोशल ऑडिट हेतु सी के चौबे (सेवा निवृत, एएसडी जिला पंचायत सिवनी) के द्वारा विषय सत्र लिया गया एवं इन सत्रों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। अंत में समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रवीण मिश्रा, जिला संपर्क प्रमुख, राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर अपने अपने क्षेत्रो में उल्लेखनीय योगदान की सराहना की एवं शुभकांमनायें प्रदान की। अंत में कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्याम उईके द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमति रीता वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद के सभी विकासखंड समन्वयक, कार्यालयीन स्टॉफ एवं परिषद के नेटवर्क से जुडे पूर्व एवं वर्तमान नवांकुर, स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधिगण बडी संख्यां मे उपस्थित रहे।

दैनिक राशिफल

सोमवार 03 मार्च 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्थी, नक्षत्र- रेवती

मेष

आज वाणी पक संयम रखें। स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा।

वृषभ

आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

आज का दिन लाभदायी है। नौकरीमें अधिकारी आपके काम से खुश रह सकते हैं। व्यापार में भी आय बढ़ने की आशा है।

कर्क

अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में विघ्न आ सकता है।

सिंह

आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतने की सलाह आपको दी जाती है। स्वास्थ्य के मामले में संभलकर चलना होगा। मानसिक रूप से व्यग्रता बनी रहेगी।

कन्या

आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

तुला

आज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे। रोजाना की आय बढ़ाने के आपके प्रयास सार्थक हो सकते हैं।

वृश्चिक

साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं।

धनु

आज आप हर मामलों में सावधान रहें। माता के स्वास्थ्य में हो रहा परिवर्तन आपके विचारों को नेगेटिव कर सकता है। इससे आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा।

मकर

जीवनसाथी से आपका व्यवहार अधिक मधुरतापूर्ण होगा। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का कार्यक्रम बना पाएंगे। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी।

कुंभ

अपने खर्च पर आपको संयम रखना होगा। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण किसी से वाद-विवाद होने से बचाएगा।

मीन

आज का आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप उत्साही बने रहेंगे। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अच्छा है।

म.